वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 299 मंगलवार 31 मार्च 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भगवान महावीर का 2625वां जन्म कल्याणक

शाही लवाजमे के साथ निकली भव्य पालकी यात्रा; मुनि संघ के सान्निध्य में गूंजे भक्ति के स्वर

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीरजी। विश्व प्रसिद्ध दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी में जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का 2625वां जन्म कल्याणक महोत्सव विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के साथ श्रद्धापूर्वक मनाया गया। भक्ति और शक्ति के इस अनूठे संगम ने संपूर्ण चांदनपुर क्षेत्र को धर्ममय बना दिया।

अभिषेक और ध्वजारोहण से शुभारंभ

महोत्सव का शुभारंभ प्रातः 6:00 बजे भगवान महावीर स्वामी के मंगल प्रक्षाल, अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ हुआ। भक्तों ने सामूहिक रूप से पूजन-आराधना कर विश्व शांति की मंगल कामना की। प्रातः 9:00 बजे मानस्तंभ प्रांगण में जयपुर निवासी अशोक जैन (नेता) एवं अर्पित जैन गोधा सपरिवार द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर प्रबंधकारिणी समिति के मानद मंत्री उमरावमल संघी ने ध्वजारोहण कर्ता परिवार का अभिनंदन करते हुए उन्हें भगवान महावीर का छायाचित्र भेंट किया। 'वीर सेवक मंडल', जयपुर के सहयोग से श्रीयंत्र जी की पालकी के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। मुख्य मंदिर से प्रारंभ होकर यह यात्रा बड़े बगीचे तक पहुँची, जहाँ देश के विभिन्न कोनों से आए श्रद्धालुओं ने 21 मंगल कलशों की बोलियाँ लीं। इसके पश्चात दोपहर में 'वीर संगीत मंडल' के भजनों के बीच पालना झुलाने का मांगलिक विधान संपन्न हुआ।

सेवा कार्य और प्रदर्शनी

प्रबंधकारिणी समिति की ओर से सामाजिक सरोकारों का निर्वहन करते हुए विद्यालय के विद्यार्थियों को मोदक वितरण किया गया। साथ ही हिंडौन नगर के कारागृह में निरुद्ध बंदियों को फल एवं मिष्ठान वितरित किए गए। सायं 4:00 बजे अतिरिक्त जिला कलेक्टर द्वारा 'चांदनपुर के महावीर' प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उनके कर-कमलों द्वारा दिव्यांगजनों को तिपहिया साइकिल एवं महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित की गईं। पारंपरिक नदी पूजन का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

मुनि वाणी और सांस्कृतिक संध्या

क्षेत्र पर ससंघ विराजमान परम पूज्य मुनि 108 चिन्मयानंद महाराज एवं मुनि विश्वजीत सागर महाराज ने अपने संबोधन में भगवान महावीर के सिद्धांतों को जीवन में उतारने का पावन उपदेश दिया। सायं 7:00 बजे सामूहिक मंगल आरती के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। दिगंबर जैन आदर्श महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, वहीं राजस्थान पर्यटन एवं कला संस्कृति विभाग के सौजन्य से आयोजित राजस्थानी सांस्कृतिक संध्या का ग्रामीण बंधुओं ने भरपूर आनंद उठाया। इस अवसर पर प्रबंधकारिणी समिति के सदस्य सुधीर कासलीवाल, अनिल दीवान, कर्नल विष्णु सिंह, नेमिकुमार पाटनी और विकास पाटनी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

@... पेज 2 पर

भक्ति का सैलाब: अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में गूंजा 'जियो और जीने दो' का जयघोष

श्रद्धा, सेवा और समर्पण: श्री महावीर जी में शाही लवाजमे के साथ संपन्न हुआ 2625वां जन्म कल्याणक महोत्सव

त्रिशला नन्दन की जय बोलो, महावीर की जय बोलो: गुलाबी नगरी में गूंजा 'जय महावीर' का उद्घोष

2625 श्रद्धालुओं ने एक साथ चंवर ढुलाकर रचा विश्व कीर्तिमान; शोभायात्रा में पहली बार चले 24 तीर्थंकरों के स्वर्णिम रथ

जयपुर. शाबाश इंडिया

संपूर्ण विश्व को 'जियो और जीने दो' का मंगल संदेश देने वाले, विश्व-वंदनीय भगवान महावीर स्वामी का 2625वाँ जन्म कल्याणक महोत्सव सोमवार को गुलाबी नगरी जयपुर में अभूतपूर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रातः काल से ही नगर का चप्पा-चप्पा महावीर के जयकारों से गुंजायमान रहा। बस्तियों और कॉलोनियों के जिनालयों में श्रीजी के अभिषेक और पूजन के पश्चात प्रभात फेरियां निकाली गईं। मुख्य आयोजन राजस्थान जैन सभा के तत्वावधान में वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं व्याख्यान वाचस्पति आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में न्यूगेट स्थित रामलीला मैदान पर संपन्न हुआ। इस अवसर पर सामूहिक रूप से 2625 श्रद्धालुओं ने एक साथ चंवर ढुलाकर भक्ति नृत्य किया, जिसे 'वर्ल्ड बुक ऑफ इंडिया' द्वारा विश्व कीर्तिमान के रूप में मान्यता देते हुए प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

शोभायात्रा: स्वर्णिम रथों और सजीव झांकियों का संगम

प्रातः 7:00 बजे मनिहारों का रास्ता स्थित महावीर उद्यान से भव्य शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। इसमें पहली बार 24 तीर्थंकरों के 24 स्वर्णिम आभा युक्त रथ सम्मिलित हुए, जिन पर सौधर्म इंद्र, सारथी और कुबेर विराजमान थे। अंतिम रथ पर भगवान महावीर की स्वर्ण जड़ित प्रतिमा सुशोभित थी। शोभायात्रा में एक दर्जन से अधिक ज्ञानवर्धक झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं, जिनमें 'अहिंसा से ही विश्व शांति', 'नारी शिक्षा व संस्कार' और 'वर्तमान का संकट, वर्धमान ही समाधान' जैसे विषयों को जीवंत किया गया। चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार और जौहरी बाजार होते हुए यह यात्रा रामलीला मैदान पहुँची। मार्ग में विभिन्न व्यापारिक और सामाजिक संस्थाओं द्वारा पुष्प वर्षा कर भगवान की आरती उतारी गई। जौहरी बाजार में दोनों आचार्य संघों के मिलन का ऐतिहासिक दृश्य देख श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। रामलीला मैदान पर आयोजित धर्मसभा में आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ने कहा कि आज विश्व विनाश के कगार पर खड़ा है और इसे केवल महावीर की अहिंसा ही बचा सकती है। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से शाकाहार अपनाने का आह्वान किया। आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि महावीर केवल जैनियों के नहीं, बल्कि जन-जन के हैं। उनके सिद्धांत किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं, अपितु प्राणी मात्र के कल्याण के लिए हैं।

धार्मिक क्रियाएं और उपलब्धियां

धर्मसभा का प्रारंभ समाज श्रेष्ठियों द्वारा ध्वजारोहण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मंत्रोच्चार के बीच 24 पाण्डुक शिलाओं पर 24 तीर्थंकरों के एक साथ अभिषेक किए गए और विश्व शांति हेतु शांतिधारा संपन्न हुई। राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चंद जैन ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि मार्च मास में 56 स्थानों पर आयोजित रक्तदान शिविरों के माध्यम से 2160 इकाई (यूनिट) रक्त एकत्रित किया गया। इस अवसर पर 'महावीर जयंती स्मारिका' के 61वें अंक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद, विधायक और अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में समाज के सभी बंधुओं ने सामूहिक वात्सल्य भोज (प्रीतिभोज) का आनंद लिया।

@... पेज 5 पर

वेद ज्ञान

वर्धमान से भगवान महावीर

दिलीप कुमार पाठक

आज की यह स्वर्णिम प्रभा अपने साथ एक अत्यंत गहरा और पावन संदेश लेकर आई है। आज 31 मार्च है और संपूर्ण राष्ट्र भगवान महावीर के जन्म कल्याणक का महोत्सव मना रहा है। यह दिन मात्र एक तिथि नहीं, अपितु स्वयं के भीतर झांकने का एक दुर्लभ अवसर है। यह हमें उस महापुरुष का स्मरण कराता है, जिसने राजमहलों के सुखों को तृण के समान त्याग दिया था। बिहार के वैशाली की वह पवित्र भूमि, जहाँ राजकुमार वर्धमान का जन्म हुआ था, आज भी उस महान त्याग की साक्षी है जिसने एक राजकुमार को 'महावीर' बना दिया। तीस वर्ष की अल्पायु में जब उन्होंने राजसी वैभव का परित्याग किया, तो उन्हें किसी भौतिक साम्राज्य की नहीं, वरन उस शाश्वत सत्य की खोज थी जो मनुष्य को जन्म-मरण के बंधनों से मुक्त कर सके। बारह वर्षों की कठिन तपस्या और मौन साधना के पश्चात उन्हें जो 'केवलज्ञान' (परम ज्ञान) प्राप्त हुआ, वह न केवल जैन दर्शन के लिए अपितु संपूर्ण मानवता के लिए संजीवनी सिद्ध हुआ। महावीर का सबसे क्रांतिकारी संदेश था ''जियो और जीने दो''। यह सूत्र सुनने में जितना सरल है, आचरण में उतारना उतना ही चुनौतीपूर्ण। उनके दर्शन की आधारशिला 'अहिंसा' पर टिकी है, जो केवल शारीरिक आघात तक सीमित नहीं है। किसी का हृदय दुखाना या मन में किसी के प्रति अशुभ विचार लाना भी हिंसा की श्रेणी में आता है। आज जब विश्व युद्धों और घृणा की छाया में त्रस्त है, तब महावीर के विचार किसी मरहम के समान प्रतीत होते हैं। उन्होंने 'अपरिग्रह' का मंत्र दिया, जिसका अर्थ है अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखना, क्योंकि अनावश्यक संचय ही दुखों की मूल जड़ है। आज की आपाधापी भरी जीवनशैली में हम जितना कम भौतिक सामान और इच्छाएं संग्रहित करेंगे, हमारा चित्त उतना ही शांत और भारमुक्त रहेगा। उनका 'अनेकांतवाद' का सिद्धांत तो वर्तमान समाज के लिए नितांत आवश्यक है, जो हमें सिखाता है कि एक ही सत्य को देखने के कई दृष्टिकोण हो सकते हैं। यदि हम दूसरों के विचारों का सम्मान करना सीख लें, तो समाज के अधिकांश विवाद स्वतः समाप्त हो जाएंगे।

संपादकीय

अहिंसा के शाश्वत आलोक और वैश्विक शांति का मार्ग

आज जब संपूर्ण विश्व वैचारिक उथल-पुथल, अविश्वास और युद्ध की विभीषिका से त्रस्त है, तब भगवान महावीर स्वामी के सिद्धांत और भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। उनका 'जियो और जीने दो' का अमर उद्घोष मात्र एक नारा नहीं, अपितु मानवता की रक्षा का एकमात्र अमोघ अस्त्र है। जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के प्रखर ध्वजवाहक और पंचशील सिद्धांतों के महान प्रणेता हैं। उनका जीवन त्याग, तपस्या और

आत्म-संयम की एक ऐसी गाथा है, जो ढाई हजार वर्षों से मानवता का मार्ग प्रशस्त कर रही है। भगवान महावीर का जन्म 599 ईसा पूर्व में बिहार प्रांत के वैशाली स्थित कुंडग्राम में हुआ था। महाराज सिद्धार्थ और महारानी त्रिशला के पुत्र वर्धमान ने अल्पायु में ही राजसी वैभव को तिनके के समान त्याग दिया था। तीस वर्ष की युवावस्था में जब उन्होंने गृह त्याग किया, तो उनका लक्ष्य किसी साम्राज्य का विस्तार नहीं, बल्कि उस परम सत्य की खोज थी जो जीव को जन्म-मरण के दुखों से मुक्त कर सके। साढ़े बारह वर्षों की घोर साधना, मौन व्रत और इंद्रिय दमन के पश्चात उन्हें ऋजुबालिका नदी के तट पर 'केवलज्ञान' प्राप्त हुआ। अपनी इंद्रियों पर पूर्ण विजय प्राप्त करने के कारण ही वे 'जितेंद्र' और 'जिन' कहलाए, जिससे कालांतर में इस धर्म का नाम 'जैन' पड़ा। महावीर स्वामी का प्रादुर्भाव ऐसे युग में हुआ था जब समाज पशु बलि, जातिवाद, अंधविश्वास और कुरीतियों के अंधकार में डूबा हुआ था। उन्होंने तत्कालीन समाज को यह क्रांतिकारी संदेश दिया कि धर्म बाह्य आडंबर या प्रदर्शन की वस्तु नहीं, अपितु अंतरात्मा की शुद्धि का नाम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक क्षुद्र चींटी के प्राण भी उतने ही मूल्यवान हैं जितने किसी शक्तिशाली सम्राट के। महावीर ने पुरुषों के साथ-साथ स्त्रियों को भी आत्म-साधना में समान अधिकार प्रदान किए और 'प्राकृत' जैसी लोकभाषा में उपदेश देकर ज्ञान के द्वार जन-सामान्य के लिए खोल दिए। भगवान महावीर ने मोक्ष प्राप्ति के लिए 'त्रिरत्न' का मार्ग बताया कि सम्यक श्रद्धा, सम्यक ज्ञान और सम्यक आचरण। उन्होंने पांच महाव्रतों का विधान दिया: अहिंसा, सत्य, अस्तेय (चोरी न करना), ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह (आवश्यकता से अधिक संचय न करना)। उनका 'अनेकांतवाद' का सिद्धांत आज के वैचारिक संघर्षों के समाधान हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह सिद्धांत हमें सिखाता है कि सत्य बहुआयामी होता है और यदि हम दूसरों के दृष्टिकोण का सम्मान करना सीख लें, तो समाज के अधिकांश विवाद स्वतः समाप्त हो सकते हैं। आज के युद्ध केवल सीमाओं के संघर्ष नहीं, बल्कि मनुष्य के बढ़ते अहंकार और अपरिग्रह की उपेक्षा का परिणाम हैं। रूस-यूक्रेन या इजराइल-ईरान जैसे संघर्षों के बीच महावीर का 'अपरिग्रह' सिद्धांत हमें अपनी आवश्यकताओं को सीमित करने की प्रेरणा देता है। महावीर ने सिखाया कि हिंसा केवल शारीरिक आघात नहीं है, बल्कि मन में किसी के प्रति बुरा सोचना भी हिंसा की श्रेणी में आता है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

वैश्विक आर्थिक महामंदी की आहट?

सनत जैन

वर्तमान में विश्व के अनेक देशों की अर्थव्यवस्था, बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के कारण गहरे संकट में है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य संघर्ष ने वैश्विक आर्थिक महामंदी का ऐसा द्वार खोल दिया है, जिसकी विभीषिका की कल्पना करना भी कठिन है। विगत एक माह से जारी इस युद्ध ने कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति को वैश्विक स्तर पर बाधित कर दिया है। विशेष रूप से ईरान द्वारा 'हार्मोज जलडमरूमध्य' की नाकाबंदी के पश्चात दुनिया के देशों के सामने ऊर्जा का भीषण संकट खड़ा हो गया है। ऊर्जा संकट का सीधा प्रभाव औद्योगिक उत्पादन और व्यापारिक गतिविधियों पर पड़ रहा है, जिससे बेरोजगारी में तीव्र वृद्धि हो रही है। कच्चे तेल और गैस की कीमतों में निरंतर उछाल से सरकारों के राजस्व और आम जनता के बजट का संतुलन बिगड़ गया है। बढ़ती महंगाई के कारण सामान्य नागरिक अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करने में भी अक्षम सिद्ध हो रहे हैं। भारत सरकार ने भी पहली बार अपनी अर्थव्यवस्था को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है और यह अनुमान लगाया जा रहा है कि सरकार को अपने वार्षिक आय-व्यय पत्रक में संशोधन करना पड़ सकता है। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की आपूर्ति घटकर मात्र दस प्रतिशत रह गई है, जिससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। इसका नकारात्मक प्रभाव साझा बाजार (शेयर बाजार) और बैंकिंग व्यवस्था पर स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर हो रहा है। विशेषकर शहरों में पेट्रोल, डीजल और बिजली संकट ने अराजकता की स्थिति उत्पन्न कर दी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की युद्धोन्मादी नीतियों ने विश्व को विनाश के कगार पर ला खड़ा किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने कार्यभार संभालते ही 'शुल्क-युद्ध' (टैरिफ-वार) के माध्यम से वैश्विक व्यापार में हड़कंप मचा दिया, जिसका दुष्परिणाम स्वयं अमेरिका को भी भुगतना पड़ रहा है। वर्तमान में ट्रंप की नीतियों के विरुद्ध अमेरिका के तीन हजार से अधिक स्थानों पर लगभग नब्बे लाख लोग सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं। स्वयं उनकी पार्टी के सदस्य भी इन आत्मघाती निर्णयों से असंतुष्ट हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ट्रंप के व्यवहार को एक विक्षिप्त नेता के रूप में देख रहा है, जिनके अहंकार ने स्थितियों को विकराल बना दिया है। इस युद्ध ने वैश्विक गुटबाजी को भी तीव्र कर दिया है। अमेरिका के विरुद्ध रूस, चीन, ईरान और उत्तर कोरिया जैसे देश एकजुट हो गए हैं। उत्तर कोरिया द्वारा अमेरिका तक प्रहार करने वाले 'प्रक्षेपास्त्र यंत्र' (मिसाइल इंजन) का सफल परीक्षण करना इस खतरे को और बढ़ा देता है। डॉलर की वैश्विक स्वीकार्यता को भी अब कड़ी चुनौती मिल रही है। अमेरिका और इजरायल ने अपने सैन्य उपकरणों की अजेयता का जो भ्रम पाल रखा था, ईरान ने उसे ध्वस्त कर दिया है। ईरान द्वारा इजरायल और अरब देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए गए प्रहारों ने उनकी सुरक्षा व्यवस्था की कलई खोल दी है। जो देश इस युद्ध में प्रत्यक्ष रूप से सम्मिलित नहीं हैं, वे भी खाद्य संकट और आर्थिक अस्थिरता का सामना कर रहे हैं। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले तीस वर्षों में जिस 'बाजारवाद' और 'ऋण-आधारित अर्थव्यवस्था' का विस्तार हुआ था, वह अब ढहने के कगार पर है। दुनिया के लगभग सभी देशों पर भारी विदेशी ऋण है। यदि यह युद्ध शीघ्र समाप्त नहीं हुआ, तो वैश्विक व्यापार संधियां निष्प्रभावी हो जाएंगी और मानवता को एक ऐसी महामंदी का सामना करना पड़ेगा, जिससे उबरने में दशकों लग सकते हैं।

जयपुर में रचा गया भक्ति का महा-कीर्तिमान: 2625 श्रद्धालुओं ने एक साथ चंवर ढुलाकर विश्व को दिया शांति का संदेश

स्वर्ण रथों पर विराजे जिनराज: गुलाबी नगरी में 24 तीर्थंकरों के शाही लवाजमे के साथ संपन्न हुआ वर्धमान का जन्म कल्याणक

संपूर्ण विश्व को 'जियो और जीने दो' का मंगल संदेश देने वाले, विश्व-वंदनीय भगवान महावीर स्वामी का 2625वाँ जन्म कल्याणक महोत्सव सोमवार को गुलाबी नगरी जयपुर में अभूतपूर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रात: काल से ही नगर का चप्पा-चप्पा महावीर के जयकारों से गुंजायमान रहा।

।। श्री महावीराय नमः ।।

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी (राजस्थान)

वार्षिक मेला - 2026

27 मार्च से 03 अप्रेल 2026

मेले के मुख्य आकर्षण

चैत्र सुदी 9-10 वीर नि.सं. 2552, शुक्रवार 27 मार्च, 2026
मेले की स्थापना

चैत्र सुदी 13 वीर नि.सं. 2552, सोमवार 30 मार्च, 2026
महावीर जयन्ती
प्रभात फेरी, ध्वजारोहण, जल यात्रा, धर्मसभा, दिव्यांग शिविर
सांस्कृतिक संध्या
(दिगम्बर जैन आदर्श महिला महाविद्यालय श्री महावीरजी के सौजन्य से)
सांस्कृतिक संध्या
(महानाट्य प्रस्तुति रंगशाला एकेडमी, साधना मादावत इन्दौर द्वारा)

चैत्र सुदी 14 वीर नि.सं. 2552, मंगलवार 31 मार्च, 2026
भक्ति संध्या
(श्री नरेन्द्र कुमार जैन, जयपुर द्वारा)
राजस्थानी सांस्कृतिक संध्या
(पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग, राजस्थान के सौजन्य से)

चैत्र सुदी 15 वीर नि.सं. 2552, बुधवार 01 अप्रेल, 2026
सांस्कृतिक संध्या
महिला जागृति संघ, जयपुर द्वारा
राष्ट्रीय कवि सम्मेलन

बैशाख कृष्णा 01 वीर नि.सं. 2552 गुरुवार 02 अप्रेल, 2026
विशाल रथयात्रा एवं कलशाभिषेक

बैशाख कृष्णा 02 वीर नि.सं. 2552 शुक्रवार 03 अप्रेल, 2026
ग्रामीण खेल-कूद, कुश्ती दंगल
मेला समापन

प्रमुख दैनिक कार्यक्रमः सामूहिक पूजन (श्री वीर संगीत मण्डल, जयपुर द्वारा), भजन, सामूहिक आरती, नृत्य आदि

इस मंगलमय पुनीत अवसर पर सपरिवार पधारने हेतु अनुरोध ।

विनीतः प्रबन्धकारिणी कमेटी, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी

सुधान्शु कासलीवाल (अध्यक्ष), चन्द्र प्रकाश जैन (उपाध्यक्ष), पूनम चन्द्र शाह (उपाध्यक्ष), उमरावमल संघी (मंत्री), रूपिन के. काला (संयुक्त मंत्री), अनिल पाटनी (दीवान) (संयुक्त मंत्री),हेमन्त सौगानी (कोषाध्यक्ष)
सदस्यः नरेश कुमार सेठी, पदेन अध्यक्ष भारतवर्षीय दि. जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी, मुम्बई, डॉ कमल चन्द सौगानी, जस्टिस नगेन्द्र कुमार जैन, अशोक जैन, शान्ति कुमार जैन, कमल कुमार बड़जात्या,
जस्टिस नरेन्द्र कुमार जैन, अशोक पाटनी, सुभाषचन्द जैन, सतीश अजमेरा, सुधीर कासलीवाल, विवेक काला, डॉ. पदमकुमार जैन, प्रदीप कुमार जैन, सुरेश सबलावत

देश के दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्रों में अग्रणी

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी (जिला करौली) राज.

महत्वपूर्ण आवासीय इकाईयाँ एवं अन्य जनोपयोगी सुविधाएँ

- ✷ **ए.सी. धर्मशाला** - सम्पूर्ण वातानुकूलित कमरे
- ✷ **वर्द्धमान धर्मशाला** - वातानुकूलित कमरे तथा डीलक्स कमरे
- ✷ **सन्मति धर्मशाला** - 48 कमरे वातानुकूलित, अन्य सभी कमरे डेजर्ट कूलर्स एवं गीजर्स से सुसज्जित
- ✷ **कुन्दकुन्द निलय** - डीलक्स कमरे
- ✷ **यात्री निवास** - 1000 यात्रियों के लिए ठहरने की आधुनिकतम सुविधा, समूह में यात्रा करने वालों के लिए अत्यन्त उपयोगी
- ✷ **भोजनशाला** - 400 व्यक्तियों को एक साथ बैठकर भोजन उपलब्ध करवाने वाली अन्नपूर्णा भोजनशाला
- ✷ **केफेटेरिया** - नाश्ते के लिए सुरुचि केफेटेरिया
- ✷ **उपभोक्ता भंडार** - यात्रियों को उचित मूल्य पर सामग्री व चोले का सामान
- ✷ **बस सेवा** - रेलवे स्टेशन से मन्दिरजी के लिए प्रत्येक ट्रेन पर आने जाने की निःशुल्क बस सुविधा

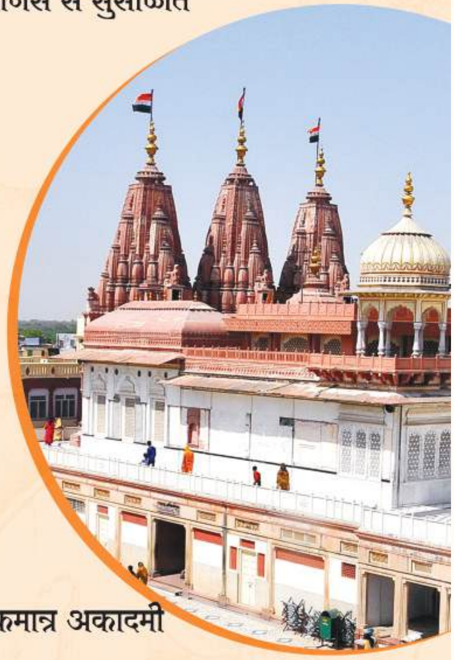

- ✷ श्री महावीर दिगम्बर जैन आयुर्वेदिक औषधालय
- ✷ श्री महावीर योग प्राकृतिक चिकित्सालय एवं शोध संस्थान
- ✷ श्रीमती चन्द्रावली सिद्धोमल जैन अस्पताल एवं प्रसूति गृह
- ✷ **जैनविद्या संस्थान** - जैन आगम साहित्य पर शोध और जैन साहित्य का प्रकाशन वाचनालय एवं पुस्तकालय सुविधा
- ✷ **अपभ्रंश साहित्य अकादमी** - अपभ्रंश भाषा के अध्ययन अध्यापन की भारत की एकमात्र अकादमी सर्टिफिकेट व डिप्लोमा परीक्षा का पाठ्यक्रम राजस्थान विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त मालवीय नगर, जयपुर में नवीन भवन का निर्माण
- ✷ **ध्यान केन्द्र** - शान्त एवं स्वाध्याय हेतु ध्यान केन्द्र-रत्न प्रतिमाओं के दर्शन

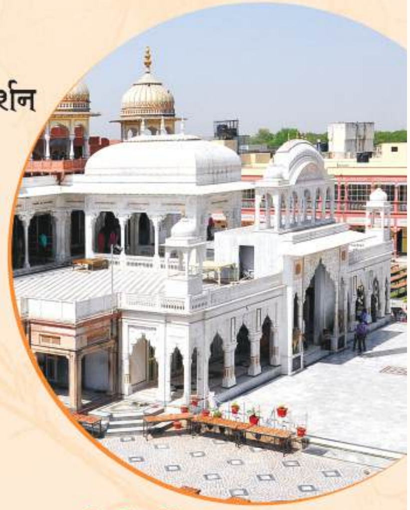

म्यूजियम ऑफ जैन आर्ट एण्ड कल्चर -

- पैरों की विकलांगता के लिए सवाईमाधोपुर व करौली जिले के निवासियों के लिए विशेष व्यवस्था।
- असमर्थ महिलाओं को सिलाई मशीनें तथा विकलांगों को ट्राई साईकिल्स का वितरण।
- असमर्थ छात्रों को छात्रवृत्ति तथा योग्य एवं जरूरतमंद छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए ऋण/सहायता
- असमर्थ महिलाओं/पुरुषों को मासिक सहायता

-वेबसाइट-

क्षेत्र की अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट www.shrimahaveerji.org.को देखें -

apabhramsasahitya : apa.jainapa.com, jvs.jainapa.com pra.jainapa.com

Online Room Booking : www.mahaveerji.org

E-mail : mahaveerjitrust@gmail.com

आगन्तुक यात्रियों के स्वागतार्थ सदैव तत्पर 375 कर्मचारियों सहित

प्रबन्धकारिणी कमेटी

उमराव मल संघी
मंत्री

सुधांशु कासलीवाल
अध्यक्ष

भगवान महावीर का 2625 वाँ जन्म कल्याणक
महावीर जयन्ती
गुलशनराय जैन
राजीव-सीमा जैन
सौम्या-राहुल पाटनी
अरिहंत-प्रिंसी जैन
आदित्यराज जैन
M/s. GULSHAN RAI JAIN-II
AA CLASS CONTRACTOR
(गाजियावाद वाले) परिवार
जयपुर • इन्दौर • गाजियावाद
सबका मंगल हो...

|| श्री शान्तिनाथाय नमः ||
श्री शान्तिवीर शिवधर्म श्रुत अजित-वर्धमान सुरभ्यो नमः ||
वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य
108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज
श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर
शांतिवीर नगर, श्री महावीरजी (राज.)
परम पूज्य मुनिश्री 108
गुणसागर जी महाराज
भव्यातिभव्य मानस्तम्भ के
निर्माण के पश्चात् प्रथम बार
विराजित चतुर्मुखी जिनबिम्बों का
मानस्तम्भ
महामस्तकाभिषेक
परम पूज्या गणिनी प्रमुख105
आर्यिका रत्न श्री ज्ञानमती माताजी
परम पूज्या क्षमामूर्ति 105
आर्यिका रत्न श्री आदिमती माताजी
पावन सान्निध्य :
1 अप्रैल, 2026
शान्तिवीर नगर, श्री महावीरजी (राज.)
प्रथम कलशकर्त्ता पुण्यार्जक परिवार
श्रावक श्रेष्ठी श्रीमान् चांदमलजी,गणपतरायजी,
रतनलालजी,भागचन्दजी पांड्या सरावगी परिवार
बंगलौर, गुवाहाटी
पूज्य आर्यिका
श्री १०५ श्रुतमति माताजी
पूज्य आर्यिका
श्री १०५ सुबोधमति माताजी
साधर्मी बन्धुओं,
सादर जय जिनेन्द्र।
20 वीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती श्री 108 शान्तिसागर जी महाराज के आचार्य पद प्रतिष्ठापन शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत पूज्य आर्यिकारत्न आगमरक्षिका 105 आदिमति माताजी के संघस्थ पूज्य आर्यिका श्री १०५ श्रुतमति माताजी एवं पूज्य आर्यिका श्री 105 सुबोधमति माताजी की सत्प्रेरणा एवं सान्निध्य में भव्यातिभव्य मानस्तम्भ में विराजित चतुर्मुखी जिनबिम्बों का भव्य महामस्तकाभिषेक आयोजित किया जा रहा है।
कृपया सपरिवार पधारकर धर्मलाभ का पुण्यार्जन करें।
प्रतिष्ठाचार्य : श्री सुरेश चन्द जी शास्त्री, निवाई (राज.)
निवेदक एवं आयोजक :
ट्रस्ट कमेटी, श्री शान्तिवीर दिगम्बर जैन संस्थान
शांतिवीर नगर, वाया श्री महावीरजी, जिला: करौली- 322 220 (राज.)
दूरभाष : 07469-224482 मो. 94143-29103

अशोकनगर में गूंजा 'जय महावीर' का उद्घोष: भव्य शोभायात्रा और परोपकार के साथ मना जन्मोत्सव

गौ-सेवा हेतु समर्पित हुईं आधुनिक 'एक्स-रे' मशीनें; मुनिश्री अविचल सागर महाराज का मिला सान्निध्य

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का 2625वाँ जन्म कल्याणक महोत्सव जिले भर में अपार श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। मुख्य समारोह का शुभारंभ आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य मुनिश्री अविचल सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में सुभाष गंज स्थित आदिश्वर धाम से हुआ।

भव्य चल समारोह और धर्मसभा

नगर के प्रमुख मार्गों से निकली विशाल शोभायात्रा में रजत पालकी, वाद्य यंत्र दल (बैंड), पाठशाला के बच्चे और विभिन्न महिला-युवा मंडलों ने सहभागिता की। शोभायात्रा सुभाष गंज मैदान पहुँचकर धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर साकेत मालवीय ने इस अवसर पर कहा कि भगवान महावीर की दिव्य वाणी में जगत को एकजुट करने की शक्ति थी। उन्होंने शांति, अपरिग्रह और अहिंसा के जो सूत्र दिए, वे आज के अशांत विश्व के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इस अवसर पर विधायक हरिबाबू राय और संयुक्त कलेक्टर सोनम जैन सहित अनेक प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

गौ-सेवा और परोपकार के नए आयाम

मुनिश्री अविचल सागर जी महाराज ने अपने मंगल प्रवचन में कहा कि महापुरुषों के जीवन का उत्सव मनाना ही वास्तविक महोत्सव है। उन्होंने परोपकार पर बल देते हुए बताया कि मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के आशीर्वाद से अशोकनगर में देश का अनूठा गौ-चिकित्सालय संचालित है। इसी कड़ी में आज गायों की सुचारू चिकित्सा हेतु दो आधुनिक विद्युत-छायाचित्र (एक्स-रे) मशीनें समाज श्रेष्ठियों द्वारा भेंट की गईं।

सेवा कार्य और सांस्कृतिक संध्या

जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा और शैलेन्द्र श्रागर के अनुसार, महोत्सव के उपलक्ष्य में निर्धनों को भोजन प्रसादी और वस्त्रों का वितरण किया गया। सायंकाल मुनिश्री के मुखारविंद से 'जिज्ञासा समाधान' एवं भगवान महावीर के सिद्धांतों पर संगोष्ठी आयोजित हुई। इसके पश्चात भक्तामर मंडल द्वारा संगीतमय महा-आराधना,

पालना झुलाने का कार्यक्रम और बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। संपूर्ण नगर भक्ति और सेवा के रंग में सराबोर नजर आया।

भगवान महावीर का दिव्य ज्ञान: वैश्विक युद्ध का समाधान

लेखक: डॉ. पंकज जैन 'शास्त्री'

चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के पावन अवसर पर जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का 2625वाँ जन्मकल्याणक है। भगवान महावीर का जन्म 599 ईसा पूर्व में वर्तमान बिहार प्रांत के कुंडपुर नगर में हुआ था। पिता राजा सिद्धार्थ और माता त्रिशला ने तीर्थंकर बालक का नामकरण 'वर्धमान' किया। कालांतर में बालक वर्धमान के अतिशय बल और बुद्धि के कारण वे वीर, अतिवीर, सन्मति एवं महावीर नाम से विख्यात हुए। राजमहल की समस्त सुख-सुविधाएं और वैभव भी वर्धमान को सांसारिक बंधनों में नहीं बाँध सके और उन्होंने तीस वर्ष की युवावस्था में ही दिगंबर निर्ग्रंथ दीक्षा धारण कर गृह त्याग कर दिया। बारह वर्ष की कठिन आत्म-साधना के उपरांत उन्हें केवलज्ञान (परम ज्ञान) प्रकट हुआ। इसके पश्चात उन्होंने प्राणी मात्र को अहिंसा, करुणा, मैत्री एवं अपरिग्रह का उपदेश दिया और पावापुरी नामक पवित्र स्थान से 527 ईसा पूर्व में निर्वाण प्राप्त किया।

वैश्विक विभीषिका और महावीर का दर्शन

अहिंसा के प्रणेता भगवान महावीर के इस जन्मकल्याणक के अवसर पर वैश्विक परिदृश्य अत्यंत चिंताजनक है। अधिकांश देश युद्ध की विभीषिका से जूझ रहे हैं। इजराइल, ईरान, रूस और यूक्रेन के मध्य जारी संघर्ष कभी भी विश्व युद्ध का रूप ले सकते हैं। इस युद्ध में उन्नत तकनीक वाली प्रक्षेपास्त्र (मिसाइल), मानवरहित विमान (ड्रोन) और बमों का प्रयोग हो रहा है। इससे न केवल निर्दोष जनहानि हो रही है, बल्कि देशों की आधारभूत संरचनाएं जैसे—सड़कें, पुल, रेल, विद्युत गृह (पावर हाउस), बाँध, चिकित्सालय और विद्यालय भी नष्ट हो रहे हैं।

युद्ध के अदृश्य दुष्प्रभाव

युद्ध का एक अन्य नकारात्मक पक्ष यह है कि जो देश प्रत्यक्ष रूप से सम्मिलित नहीं हैं, वे भी इसकी आंच में झुलस रहे हैं। ईंधन और गैस जैसे ऊर्जा संसाधनों की कमी के कारण वैश्विक स्तर पर अन्न संकट और भयंकर महंगाई व्याप्त है। युद्ध के पर्यावरणीय दुष्प्रभावों जैसे भूमंडलीय तापन (ग्लोबल वार्मिंग), वायु प्रदूषण एवं जल प्रदूषण की ओर अभी विश्व का ध्यान नहीं है, जो भविष्य में विनाशकारी सिद्ध होंगे।

प्रमत भाव: हिंसा की जड़

भगवान महावीर हिंसा का मूल कारण 'प्रमत्त भाव' को मानते हैं। प्रमत्त भाव में मनुष्य की चेतना विवेक शून्य हो जाती है। क्रोध, अहंकार, छल एवं लोभ के कारण जब भीतर दूसरों को हानि पहुँचाने के विचार जन्म लेते हैं, तब हम प्रमत्त भाव में होते हैं। युद्ध सबसे पहले मस्तिष्क में हिंसक विचारों के रूप में उत्पन्न होता है और उसके बाद ही भूमि पर प्रारंभ होता है। भगवान महावीर कहते हैं कि हमें इस प्रमत्त भाव को त्यागकर 'अप्रमत भाव' (आत्म-जागरण) को ग्रहण करना चाहिए।

मैत्री और अपरिग्रह का मार्ग

भगवान महावीर ने प्राणी मात्र के प्रति मैत्री भाव का संदेश दिया है। उनकी अहिंसा में संप्रदाय या क्षेत्रवाद की संकीर्णता नहीं है। उन्होंने तो पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु एवं वनस्पति जैसे प्राकृतिक घटकों की रक्षा को भी अहिंसा माना है। उनका 'अपरिग्रह' का सिद्धांत युद्धों को रोकने में सहायक है। 'यह मेरा है'—ऐसा मानना ही परिग्रह है। यदि राष्ट्र एक-दूसरे की सीमाओं का सम्मान करें और संसाधनों को लूटने का प्रयास न करें, तो अवांछित युद्धों को टाला जा सकता है।

अनेकांतवाद: समन्वय का सेतु

भगवान महावीर का 'अनेकांतवाद' सिखाता है कि सत्य बहुआयामी है। यह हमारे वैचारिक मतभेदों के बीच 'समन्वय का सेतु' निर्मित करता है। यदि विश्व के राष्ट्राध्यक्ष अनेकांतवाद का पालन करें, तो संवाद के माध्यम से युद्ध की स्थिति ही निर्मित नहीं होगी। महावीर का क्षमा धर्म हमें बैर भाव छोड़ने की शिक्षा देता है; क्योंकि क्षमा करने वाला ही सबसे बड़ा वीर होता है।

युद्ध के उन्माद में जहाँ केवल 'मरो या मारो' का स्वर सुनाई देता है, वहाँ भगवान महावीर का 'जियो और जीने दो' का मूलमंत्र ही शांति की राह दिखा सकता है। भगवान महावीर के बताए मार्ग पर चलकर ही मानव और मानवता की रक्षा संभव है।

युवा परिषद् हेरीटेज संभाग द्वारा रक्तदान महादान शिविर का भव्य आयोजन

शाबाश इंडिया। महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में युवा परिषद् हेरीटेज संभाग एवं राजस्थान जैन सभा के संयुक्त तत्वावधान में बजो की नसियां, बदनपुरा स्थित परिसर में रक्तदान शिविर का भव्य आयोजन किया गया। प्रदेश मंत्री विनोद पापड़ीवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों सुरेन्द्र पारीक (पूर्व विधायक), अनीता जैन (पार्षद), राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जैन, महामंत्री विमल बज एवं प्रमुख समाजसेवी कमल दिवान द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। शिविर के संयोजक संजय अंजना, शाह पुलकित बज, प्रतीक सौगानी एवं मनीता छाबड़ा ने बताया कि इस अवसर पर आसपास के विभिन्न समाजों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया। संभाग अध्यक्ष रूपेन्द्र जैन, संतोष छाबड़ा, दिनेश जैन, संजय छाबड़ा, अक्षय बिलाला, सुशीला बज एवं शालू छाबड़ा ने शिविर में भाग लेने वाले सभी रक्तदाताओं का सम्मान कर उन्हें उपहार भेंट किए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मानव सेवा एवं समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा, जिसे सभी ने सराहा।

।। श्री आदिनाथाय नमः ।।

श्री दिगम्बर जैन महासमिति अजमेर संभाग,
श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला एवं
युवा महिला संभाग, अजमेर

आपका हार्दिक स्वागत करता है।

अतुल पाटनी अध्यक्ष
कमल गंगवाल महामंत्री
श्रेयांस पाटनी कोषाध्यक्ष

मधु पाटनी अध्यक्ष
सुषमा पाटनी मंत्री
महिला संभाग अजमेर

सोनिका भैंसा अध्यक्ष
रिंकू कासलीवाल मंत्री
युवा महिला संभाग अजमेर

एवं समस्त सदस्यगण

आकृति #9829086826

प्रदेशवासियों व अजमेर वासियों को महावीर
जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

अतुल पाटनी
अध्यक्ष
श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर संभाग
मधु पाटनी
राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष
श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति

सखी गुलाबी नगरी

SAKHI GULABI NAGARI
WISHES YOU
30 March ' 26
Happy BIRTHDAY

Neetu-Ankit gangwal

SUSHMA JAIN (President)
SARIKA JAIN (Founder President)
MAMTA SETHI (Secretary)
DIVYA JAIN (Greeting Coordinator)

भव्य शोभायात्रा का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन

दिगंबर जैन युवा परिषद 'हेरिटेज' संभाग द्वारा पुष्प वर्षा और भक्ति संगीत का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद, हेरिटेज संभाग द्वारा भगवान महावीर के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में गुलाबी नगरी के मुख्य जुलूस का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक विनोद पापड़ीवाल ने बताया कि एयू बैंक के विशेष सहयोग से आयोजित इस समारोह में विशाल मंच द्वारा श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन किया गया। समारोह का शुभारंभ संजय-अंजना जैन द्वारा चित्र अनावरण तथा रमेश-माया जैन द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। पुष्प वर्षा करने का परम सौभाग्य राजेश-वर्षा बाकलीवाल एवं कैलाश-माणक ठोलिया परिवार को प्राप्त हुआ। मंच के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय संगीतकार नरेंद्र कुमार जैन ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से संपूर्ण वातावरण को प्रभु भक्ति के रंग में सराबोर कर दिया, जिससे पूरा शहर महावीर के जयकारों से गूंज उठा। सुनीता गंगवाल ने अत्यंत कुशलता के साथ मंच संचालन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। संभाग अध्यक्ष रूपेंद्र जैन, मंत्री नरेश छाबड़ा, संतोष छाबड़ा एवं अक्षय बिलाला ने उपस्थित सभी श्रावकों का दुपट्टा पहनाकर स्वागत-सत्कार किया।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया भगवान महावीर का जन्म कल्याणक महोत्सव

गौरी किनारा स्थित चंद्रप्रभु मंदिर में 'महावीर विधान' और 'विश्व शांति महायज्ञ' संपन्न

भिंड. शाबाश इंडिया। गौरी किनारा स्थित श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में 30 मार्च 2026 को भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव अत्यंत भक्तिभाव से मनाया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से 'महावीर विधान' का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने

सामूहिक पूजा-अर्चना कर विश्व शांति की कामना की। प्रातः काल भगवान के मंगल अभिषेक और शांतिधारा के साथ अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ। प्रथम कलश करने का सौभाग्य श्रीमती सुशीला जैन एवं मनोज जैन (मुंबई) को प्राप्त हुआ। चतुर्थ कलश से अभिषेक करने का सौभाग्य कैलाशी देवी, अनीश-ममता, अक्षत, मनोज-वंशिका एवं स्वरूपचंद-मनीष-दीपक जैन परिवारों को मिला। प्रथम शांतिधारा कैलाशी देवी एवं अनीश-ममता जैन ने की, जबकि द्वितीय शांतिधारा का सौभाग्य विजपुरी परिवार (सुनीता-महेंद्र, रूबी-शैलू, सृष्टि-वाणी-समर्थ जैन) को प्राप्त हुआ। महोत्सव की महाआरती दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'अजितनाथ', चंद्रप्रभु महिला मंडल एवं विराग विशुद्ध बहू मंडल द्वारा की गई। कार्यक्रम के अंत में आशु, सौरभ, राहुल, मनोज, अरुण, कृष्णा, राजेश, गोपाल और शैलेंद्र सहित अनेक भक्तों ने भक्तिपूर्वक 'निर्वाण लाडू' अर्पित किया।

महावीर के कालजयी संदेश

कार्यक्रम के संयोजक शैलू जैन (एलआईसी) ने भगवान महावीर के 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत पर प्रकाश डाला। उन्होंने महावीर स्वामी के 10 अनमोल वचनों का स्मरण कराते हुए कहा कि अहिंसा, आत्म-ज्ञान, समता भाव और क्षमा ही वास्तविक सुख के मार्ग हैं। उन्होंने बताया कि सच्चा ज्ञान चंचल मन को नियंत्रित करने और आत्मा को शुद्ध करने में निहित है। चंद्रप्रभु युवा समिति, गौरी किनारा एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप अजितनाथ, भिंड।

अरशान शेरवानी बने 'वर्ष के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी'

किड्स कैसल विद्यालय ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। केसर बाग, पुलिस लाइन निवासी मोहम्मद सलमान शेरवानी के सुपुत्र अरशान शेरवानी को शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए 'वर्ष के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी' के अलंकरण से सम्मानित किया गया है। अटवाल नगर, बजरंग नगर स्थित 'किड्स कैसल विद्यालय' में पाँचवीं कक्षा के छात्र अरशान को यह सम्मान उनके उत्कृष्ट अनुशासन और शैक्षणिक प्रखरता के आधार पर प्रदान किया गया। छात्र ने राजस्थान शिक्षा बोर्ड की पाँचवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में भी उच्चतम अंक अर्जित कर गौरव प्राप्त किया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने छात्र को प्रशस्ति पत्र (सर्टिफिकेट) भेंट करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि अरशान विद्यालय का अत्यंत होनहार बालक रहा है और संस्थान को उसकी उपलब्धियों पर गर्व है। बालक के पिता सलमान शेरवानी ने इस उपलब्धि का श्रेय विद्यालय के शिक्षकों और सरल शिक्षण पद्धति को दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय न केवल श्रेष्ठ शिक्षा प्रदान करता है, अपितु बालकों को एक बेहतर मनुष्य बनने के संस्कार भी देता है। विद्यालय मात्र पाँचवीं कक्षा तक होने के कारण, अब अरशान अपनी आगे की शिक्षा अन्य शिक्षण संस्थान में पूर्ण करेंगे।

महावीर इंटरनेशनल केंद्रों द्वारा भगवान महावीर जन्म कल्याणक जुलूस का भव्य स्वागत

केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी एवं न्यायिक अधिकारियों की उपस्थिति में हुई पुष्प वर्षा

अजमेर (रोहित जैन)। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर 'महावीर इंटरनेशनल' की अजयमेरु एवं पद्मावती शाखाओं द्वारा नया बाजार चौपड़ पर भव्य शोभायात्रा का पुष्प वर्षा कर आत्मीय स्वागत किया गया।

गणमान्य अतिथियों का समागम

महावीर इंटरनेशनल (परिक्षेत्र-3) के उपनिदेशक (प्रचार-प्रसार) कमल गंगवाल एवं अजयमेरु केंद्र के अध्यक्ष गजेंद्र पंचोली ने बताया कि इस अवसर पर अनेक विशिष्ट विभूतियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथियों में केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी, राजस्थान न्यायिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी एवं पारिवारिक न्यायालय, अजमेर के माननीय न्यायाधीश राजेश जैन, न्यायालय अधिकारी (नाजिर) राजेश जैन गदिया, पूर्व विधायक डॉ. गोपाल बाहेती एवं कांग्रेस नेता महेंद्र सिंह रलावता सम्मिलित रहे। समारोह में अजमेर शहर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष किशन गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार सुरेश कासलीवाल सहित रमेश चंद तापड़िया, सुरेश कुमार सोनी, उमेश गर्ग, शैलेंद्र अग्रवाल एवं राजेंद्र गांधी का भी अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर विजय जैन पांड्या एवं राजकुमार गर्ग ने जन-समुदाय को संबोधित करते हुए भगवान महावीर के मूल सिद्धांतों– अहिंसा, सत्य और करुणा को आत्मसात करने का आह्वान किया।

महावीर जन्म कल्याणक पर उमड़ा जनसैलाब: भक्ति और उल्लास के रंग में रंगा ब्यावर

अहिंसा के संदेश के साथ निकली भव्य शोभायात्रा; स्वर्ण कलशों से हुआ प्रभु का अभिषेक

ब्यावर (अमित गोधा)

वर्तमान शासननायक भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर सोमवार को सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा नगर में भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन किया गया। पूरा शहर भक्ति, उत्साह और अटूट श्रद्धा के रंग में सराबोर नजर आया।

स्वर्ण कलशों से मंगल अभिषेक

महोत्सव का शुभारंभ प्रातः काल दिगंबर जैन पंचायती नसिया में भगवान मूलनायक महावीर स्वामी के स्वर्ण कलश से अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ हुआ। इसका सौभाग्य सुनील-विविध जैन चौधरी, महेश, नीरज, संजय, मोहित जैन एवं सुभाषचंद, अक्षत कटारिया, मुकेश-अतिशय जैन चौधरी परिवारों को प्राप्त हुआ। इसके साथ ही नगर के विभिन्न जिनालयों में भी अभिषेक एवं शांतिधारा के आयोजनों से संपूर्ण वातावरण धर्ममय हो गया।

प्रभात फेरी और आध्यात्मिक ऊर्जा

प्रातः काल सरावगी मोहल्ला स्थित बड़ा मंदिर एवं पार्श्वनाथ मंदिर से प्रभात फेरियां निकाली गईं। भजन-कीर्तन और जयकारों के साथ समाज के महिला-पुरुषों, युवाओं और बच्चों ने ''जियो और जीने दो'' का मंगल संदेश दिया, जिससे संपूर्ण नगर में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ।

भव्य शोभायात्रा और सजीव झांकियां

जैन पंचायत के प्रवक्ता अमित गोधा ने बताया कि भगवान महावीर स्वामी को सुसज्जित रथ में विराजमान कर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। रथ के सारथी बनने का सौभाग्य जम्बू कुमार एवं मनीष कुमार रावंका परिवार को प्राप्त हुआ। शोभायात्रा में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों द्वारा आकर्षक झांकियां सजाई गईं, जिनमें भगवान महावीर के जीवन प्रसंगों और उनके अहिंसा, करुणा एवं सत्य के संदेश को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।

केसरिया साड़ियां और पारंपरिक वेशभूषा

शोभायात्रा में श्री विद्या महिला मंडल, पार्श्वनाथ महिला मंडल, बहू महिला मंडल, महिला महासमिति एवं आदिनाथ महिला मंडल सहित कई संगठनों की सक्रिय सहभागिता रही। पुरुषों ने श्वेत परिधान, महिलाओं ने केसरिया साड़ियां एवं बालिकाओं ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर शोभायात्रा की गरिमा बढ़ाई। यह यात्रा बड़ा मंदिर से प्रारंभ होकर पाली बाजार, लोहरण चौपड़, राठी जी की हवेली और अजमेरी गेट होते हुए पुनः नसिया जी पहुँची। समापन अवसर पर नसिया जी में कलशाभिषेक संपन्न हुआ, जिसमें पवन कुमार-रविकुमार जैन धगड़ा परिवार को शांतिधारा का सौभाग्य मिला। इसके पश्चात सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा विशाल वात्सल्य भोज (सामूहिक प्रीतिभोज) का आयोजन किया गया। इस भव्य आयोजन की व्यवस्थाओं में श्री पार्श्वनाथ मंदिर, आदिनाथ मंदिर, श्री विराग विशिष्ट, युवा मंडल, ज्ञानोदय मंडल एवं विद्यासागर युवा संगठन सहित समस्त समाजजनों का सामूहिक सहयोग रहा। समारोह में अध्यक्ष अशोक काला, मंत्री विजय कुमार फागीवाला, कमल रावंका सहित समाज के सैंकड़ों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

वर्षा के मध्य भगवान महावीर के जयकारों से गूंज उठा कामवन कस्बा

जैन समाज द्वारा निकाली गई भव्य रथयात्रा; सर्व समाज ने किया आत्मीय स्वागत

कामवन (डीग). शाबाश इंडिया

भगवान महावीर स्वामी भविष्यवेत्ता के साथ-साथ दूरदृष्टा भी थे, जिन्होंने 2600 वर्ष पूर्व 'जियो और जीने दो' एवं 'अहिंसा परमो धर्म' जैसे महत्वपूर्ण सिद्धांत प्रतिपादित किए। ये सिद्धांत वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भी अत्यंत प्रासंगिक हैं। उक्त उद्गार भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक रथयात्रा महोत्सव के शुभारंभ पर व्यक्त किए गए।

प्रभात फेरी और सिद्धांतों का प्रसार

जैन समाज, कामवन के महामंत्री संजय बोलखेड़िया ने बताया कि जन्म कल्याणक के अवसर पर प्रातः काल जैन धर्मशाला से विजयमती त्यागी आश्रम तक प्रभात फेरी निकाली गई। इसके माध्यम से जन-सामान्य को भगवान महावीर के पावन सिद्धांतों से परिचित कराया गया।

धार्मिक अनुष्ठान और इंद्र-पद का सौभाग्य

समाज के अध्यक्ष अनिल जैन लहसरिया के अनुसार, मुख्य कार्यक्रम अंबेडकर चौराहे स्थित जैन वाटिका में णमोकार महामंत्र के जाप के साथ प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर ध्वजवाहक बनने का सौभाग्य सक्षम जैन को प्राप्त हुआ। सौधर्म इंद्र बनने का अवसर भागचंद-रिंकू जैन बड़जात्या को मिला। अन्य इंद्र पदों पर पारस जैन, विजय जैन, मोहित जैन और मुकेश जैन आसीन हुए। सारथी बनने का सौभाग्य जिनेश जैन एवं गौरव जैन परिवार को मिला, जबकि कुबेर इंद्र के रूप में सुभाष-पुष्पा जैन परिवार ने सहभागिता की। प्रभु को पालना झुलाने का पुण्य लाभ सत्येंद्र, राजेंद्र एवं धर्मचंद जैन परिवार को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का कुशल संचालन दीपक जैन सर्राफ, संजय बड़जात्या और संजय सर्राफ द्वारा किया गया।

सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल

कोषाध्यक्ष मयंक जैन के अनुसार, कामवन कस्बे की अनूठी परंपरा का निर्वहन करते हुए जाट समाज, सर्व ब्राह्मण समाज, खंडेलवाल समाज, अग्रवाल समाज, व्यापार महासंघ और अपनाघर सेवा समिति सहित अन्य संगठनों ने भगवान की आरती उतारकर जैन समाज के पदाधिकारियों का स्वागत किया। इस मेल-मिलाप से नगर में आपसी समरसता और भाईचारे का अनूठा वातावरण निर्मित हुआ।

वर्षा के बीच युवाओं का उत्साह

उपाध्यक्ष देवेंद्र जैन ने बताया कि रथयात्रा के दौरान जब मेघ बरसने लगे, तो युवाओं का उत्साह और भी बढ़ गया। भगवान महावीर के जयकारों से संपूर्ण वातावरण गुंजायमान हो उठा। सुसज्जित रथ पर भगवान को विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया, जिसमें झांकियां और वाद्य दल (बैंड) विशेष आकर्षण रहे। रथयात्रा महावीर उद्यान, बस स्टैंड, नगरपालिका और सदर बाजार होते हुए लाल दरवाजे पर संपन्न हुई। मार्ग में जैन श्रावकों ने अपने-अपने प्रतिष्ठानों के सम्मुख भगवान की मंगल आरती उतारी। महोत्सव में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष और बच्चे सम्मिलित हुए।

लार पंचकल्याणक महोत्सव

'आदिनाथ भगवान की जय' के उद्घोष के साथ मनाया गया जन्म कल्याणक

अयोध्या नगरी सा सजा पांडाल; हाथी-घोड़ों और बैंड-बाजों के साथ निकली भव्य शोभायात्रा

बड़ागांव धसान (लार). शाबाश इंडिया। निकटवर्ती ग्राम लार स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के तीसरे दिन तीर्थंकर बालक के जन्म की खुशियां अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाई गईं। महोत्सव के प्रभाव से संपूर्ण क्षेत्र धर्ममय हो गया है और श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

अयोध्या सा दृश्य और बालक आदि कुमार का जन्म

प्रातः बेला में भगवान के अभिषेक एवं विश्व शांति हेतु वृहत शांतिधारा संपन्न हुई। इसके पश्चात अयोध्या नगरी का दृश्य जीवंत हो उठा। राजा नाभिराज के दरबार में जैसे ही माता मरुदेवी द्वारा तीर्थंकर बालक को जन्म देने की सूचना प्राप्त हुई, संपूर्ण पांडाल हर्ष और उल्लास से झूम उठा। प्रातः 7:30 बजे बालक आदि कुमार के जन्म की मंगल घोषणा की गई। विभिन्न वाद्ययंत्रों की मधुर ध्वनियों और जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर खुशियां मनाईं।

नगर भ्रमण और सुमेरु पर्वत पर अभिषेक

जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। तीर्थंकर बालक की प्रतिमा को सुसज्जित रथ में विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया। शोभायात्रा में हाथी, घोड़े, वाद्य दल (बैंड), बजरंग अखाड़ा, रमतुला, बुंदेली राबला दल और पार्श्व स्वर लहरियों (म्यूजिकल ग्रुप) के दिव्य घोष ने समां बांध दिया। इसके पश्चात सौधर्म इंद्र द्वारा भगवान को एरावत हाथी पर बैठाकर सुमेरु पर्वत ले जाने का मनोहारी दृश्य प्रस्तुत किया गया, जहाँ भगवान का मंगल अभिषेक संपन्न हुआ। पांडाल में भगवान की बाल-क्रीड़ाओं का मंचन किया गया और श्रद्धालुओं ने पालना झुलाकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

महापुरुषों का स्मरण आत्म-शांति का मार्ग

धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिराजों ने कहा कि महापुरुषों के गुणों का स्मरण करने से पुण्य की वृद्धि और पाप कर्मों का क्षय होता है। महापुरुषों का कीर्तन मानसिक क्लेशों का नाश कर आत्म-शांति प्रदान करता है। उन्होंने प्रेरित किया कि हमें भगवान ऋषभदेव से लेकर भगवान महावीर स्वामी तक, तथा मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम एवं महाबली हनुमान जैसे महापुरुषों के आदर्शों को जीवन में उतारना चाहिए। शुभ कर्म ही जीव को स्वर्ग और मोक्ष की ओर ले जाते हैं, जबकि अशुभ कर्मों से जीव दुर्गति को प्राप्त होता है।

आगामी कार्यक्रम: तप कल्याणक और आचार्य पदारोहण दिवस

महोत्सव समिति के संचार प्रतिनिधि (मीडिया प्रभारी) अधिवक्ता प्रभात अजनोर ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि 31 मार्च को भगवान का तप कल्याणक मनाया जाएगा। साथ ही, इसी दिन पट्टाचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज का 'आचार्य पदारोहण दिवस' भी अत्यंत गरिमामयी ढंग से आयोजित किया जाएगा।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भगवान महावीर का जन्म कल्याणक महोत्सव

मुनि संघ के सान्निध्य में निकली भव्य शोभायात्रा; प्रतिभावान विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

पिड़ावा (सौरभ जैन). शाबाश इंडिया

सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव अत्यंत हर्ष और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर संपूर्ण नगर भक्ति के रंग में रंगा नजर आया और भगवान महावीर के 'जियो और जीने दो' के जयघोष से गुंजायमान हो उठा।

साधु संघ का सान्निध्य और पदारोहण दिवस

समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि यह भव्य आयोजन परम पूज्य मुनि विवर्धन सागर महाराज एवं मुनि विश्वनायक सागर महाराज सहित पंच पिच्छीका साधु संघ के पावन सान्निध्य में आयोजित किया गया। महोत्सव के साथ ही आचार्य विशुद्ध सागर महाराज का 'आचार्य पदारोहण दिवस' भी अत्यंत उत्साहपूर्वक मनाया गया।

प्रभात फेरी और भक्तिमय अनुष्ठान

कार्यक्रम का शुभारंभ ब्रह्मानंद सागर पाठशाला एवं वीतराग विज्ञान पाठशाला के नन्हे बालकों द्वारा निकाली गई प्रभात फेरी से हुआ, जिसमें महिला मंडल और पुरुष वर्ग ने पूर्ण श्रद्धा के साथ सहभागिता की। इसके पश्चात मुख्य जिनालय (बड़े मंदिर) में भगवान का अभिषेक, शांतिधारा एवं नित्य नियम पूजन संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने संगीत की मधुर लहरियों के बीच भगवान महावीर एवं आचार्य विराग सागर व विशुद्ध सागर महाराज की भक्तिपूर्ण पूजा-अर्चना की।

भव्य शोभायात्रा और नगर भ्रमण

दोपहर में भगवान महावीर स्वामी को सुसज्जित पालकी में विराजमान कर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह यात्रा श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र से प्रारंभ होकर पिपली चौराहा, सेठों का मोहल्ला, खांडूपुरा और नई सब्जी मंडी होते हुए पुनः मंदिर पहुँची। शोभायात्रा में नवयुवक मंडल और महिला मंडल के सदस्य पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य और भजन करते हुए सम्मिलित हुए।

करुणा और मैत्री का संदेश

धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि विवर्धन सागर महाराज ने कहा कि भगवान महावीर के संदेश मात्र जैन समाज के लिए नहीं, अपितु संपूर्ण चराचर जगत के लिए हैं। उन्होंने सभी जीवों के प्रति दया, करुणा और मैत्री भाव रखने का आह्वान किया।

प्रतिभा सम्मान और वात्सल्य भोज

महोत्सव के अंतर्गत माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन अनिल उपहार द्वारा किया गया। अंत में मांगलिक भवन में आयोजित वात्सल्य भोज (सामूहिक प्रीतिभोज) में स्थानीय समाजजनों और बाहर से आए अतिथियों ने प्रसाद ग्रहण किया। रात्रि में जैन धर्मशाला में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मोहक प्रस्तुतियां दी गईं।

झुमरीतिलैया में श्रद्धा और उल्लास के साथ मना महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव

मुनि संघ के सान्निध्य में निकली भव्य रथयात्रा; अहिंसा और 'जियो और जीने दो' के जयघोष से गुंजायमान हुआ नगर

राजकुमार जैन अजमेरा/नवीन जैन

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया। स्थानीय दिगंबर जैन समाज द्वारा भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव अत्यंत उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर विशाल रथयात्रा के माध्यम से संपूर्ण नगर में भ्रमण कर अहिंसा और शांति का दिव्य संदेश प्रसारित किया गया।

मुनिराजों का सान्निध्य और भव्य शोभायात्रा

महोत्सव का आयोजन परम पूज्य मुनि श्री 108 पुण्यानंद जी महाराज, मुनि श्री 108 शुभानंद जी महाराज एवं क्षुल्लक 105 दिव्यानंद जी महाराज के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ। शोभायात्रा में हाथी, घोड़े, ऊँट और सुसज्जित वाद्य यंत्र दलों (बैंड) के साथ जैन समाज के पुरुष श्वेत परिधानों में तथा महिलाएं केसरिया व पीत वस्त्रों में सम्मिलित हुईं। जैन विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने वाद्य दल और महिला संगठनों ने डांडिया नृत्य व भक्ति गीतों के साथ जुलूस की शोभा बढ़ाई। सुबोध गंगवाल एवं आनंद अजमेरा के संगीत दल ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से संपूर्ण वातावरण को भक्तिमय कर दिया।

धार्मिक अनुष्ठान और विशिष्ट जनों की सहभागिता

डॉक्टर गली स्थित जैन मंदिर से प्रारंभ हुई रथयात्रा में भगवान महावीर की प्रतिमा को विराजमान करने का सौभाग्य संजय जैन सेठी को प्राप्त हुआ। रथ के सारथी अक्षय-अतिवीर जैन गंगवाल बने, जबकि कुबेर पद पर सुबोध एवं आकाश जैन गंगवाल आसीन हुए। चंवर ढुलाने का पुण्य लाभ विनीत, दक्ष, पार्थ एवं पर्व जैन को मिला। विशेष बग्गी में बैठने का सौभाग्य सुरेंद्र-सरिता जैन काला को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त रवि जैन एवं उनकी धर्मपत्नी ऐश्वर्या जैन विशेष रूप से सम्मिलित हुए। उन्होंने भगवान की मंगल आरती उतारी और देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि वर्तमान समय में अहिंसा के मार्ग से ही विश्व में शांति संभव है। मार्ग में मारवाड़ी युवा मंच के सदस्यों ने श्रद्धालुओं के लिए शीतल जल व शरबत की व्यवस्था कर स्वागत किया। शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से होती हुई नया जैन मंदिर (पानी टंकी मार्ग) पहुँचकर धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। यहाँ मुनि श्री 108 शुभानंद जी महाराज ने अपने 'अमृत प्रवचन' में कहा कि भगवान महावीर के 'जियो और जीने दो' तथा सत्य-अहिंसा के संदेशों का पालन करने से ही विश्व सुखी हो सकता है। जैन धर्म एक विश्व धर्म है जो प्राणिमात्र के कल्याण की कामना करता है। इससे पूर्व प्रातः 5:00 बजे 'विद्यासागर पाठशाला' के बच्चों और महिला समाज द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई। नया जैन मंदिर में भगवान का भव्य महामस्तकाभिषेक संपन्न हुआ, जिसमें प्रथम कलश का सौभाग्य प्रदीप-मीरा जैन छाबड़ा को प्राप्त हुआ। अन्य कलशों एवं शांतिधारा का सौभाग्य झांझरी, पांड्या, सेठी, गंगवाल, पाटोदी और सलानपुर परिवारों को मिला। सायं काल में भव्य आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भगवान महावीर के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला गया।

एसबीआई पेंशनर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव जी. डी. नदफ का जयपुर में भव्य स्वागत

पेंशन अद्यतन (अपडेशन) के लिए संघर्ष जारी, सर्वोच्च न्यायालय से न्याय की आस: नदफ

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) पेंशनर्स एसोसिएशन के स्थानीय कार्यालय में सीबीपीआरओ एवं एआईबीपीएआरसी से संबद्ध विभिन्न पेंशनभोगी तथा सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

मुख्य अतिथि का अभिनंदन

समारोह के मुख्य अतिथि एसबीआई पेंशनर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव एवं सीबीपीआरओ के संयुक्त संयोजक श्री जी. डी. नदफ रहे। जयपुर आगमन पर उनका आत्मीय स्वागत सीबीपीआरओ के राज्य संयोजक श्री आर. पी. सक्सेना, श्री एन. के. पारीक एवं एआईबीपीएआरसी के अन्य वरिष्ठ नेताओं द्वारा किया गया।

पेंशन अद्यतन हेतु विधिक संघर्ष

अपने संबोधन में श्री नदफ ने बैंक पेंशनभोगियों के हितों की रक्षा हेतु संगठन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से पेंशन अद्यतन (पेंशन अपडेशन) सुनिश्चित करने तथा अन्य लंबित समस्याओं के समाधान पर बल दिया। श्री नदफ ने अवगत कराया कि पेंशन अद्यतन का प्रकरण वर्तमान में माननीय सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि न्यायपालिका के माध्यम से बैंक सेवानिवृत्त जनों को शीघ्र ही उचित न्याय प्राप्त होगा।

संगठनात्मक गतिविधियां और आभार

बैठक के दौरान एआईबीपीएआरसी के राज्य सचिव श्री आर. एस. मीना ने राजस्थान इकाई द्वारा किए गए कार्यों एवं भावी योजनाओं का विवरण प्रस्तुत किया। समारोह को श्री रामपाल, श्री एच. के. शर्मा, श्री वी. पी. शर्मा, श्री सी. आर. सेपट तथा श्री जे. एन. कोहली सहित अन्य अनुभवी नेताओं ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में एसबीआई पेंशनर्स एसोसिएशन, जयपुर के अध्यक्ष श्री एम. एल. चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। यह बैठक अत्यंत सफल रही, जिसने पेंशनभोगी संगठनों की एकजुटता और अपने अधिकारों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को प्रभावी रूप से प्रदर्शित किया।

जैन एकता के मंच पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने चार विभूतियों को "महावीर अलंकरण" से सम्मानित किया

इंदौर. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक अवसर पर दिगम्बर एवं श्वेताम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित महावीर अलंकरण समारोह में जैन समाज की एकजुटता, सेवा भावना और सामाजिक समरसता का प्रेरक दृश्य देखने को मिला। यह भव्य आयोजन 29 मार्च 2026 को संगीत कला अकादमी स्थित मनमोहन मेहता ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वरिष्ठ समाजसेवी हसमुख जैन गांधी, चंदनमल जैन चौरड़िया, हंसराज जैन एवं संतोष कुमार जैन को उनके उत्कृष्ट सामाजिक योगदान के लिए "महावीर अलंकरण" प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान महावीर के अहिंसा, सत्य और अपरिग्रह के सिद्धांत आज भी समाज को नैतिकता और सात्विकता की दिशा में प्रेरित करते हैं। उन्होंने जैन समाज की सेवा परंपरा की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को सामाजिक समरसता का सशक्त माध्यम बताया। आयोजन समिति अध्यक्ष स्वप्निल कोठारी ने कहा कि महावीर का संदेश केवल विचार नहीं, बल्कि जीवन में आचरण का विषय है। स्वागत भाषण अमित कुमार सिंह कासलीवाल ने दिया, जबकि राकेश विनायका एवं विजय मेहता ने जैन एकता के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मंत्री तुलसी सिलावट, विधायक रमेश मेंदोला सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। समारोह में हसमुख जैन गांधी द्वारा संपादित दिगंबर जैन तीर्थ निर्देशिका भी मुख्यमंत्री को भेंट की गई, जिसे 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में स्थान प्राप्त है।

भीलवाड़ा जैन समाज में हर्ष की लहर

दिगंबर जैन युवा महासभा की जिला कार्यकारिणी घोषित

अतुल पाटनी अध्यक्ष और विभोर गोधा बने जिला महामंत्री; अप्रैल के अंत में होगा शपथ ग्रहण

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। 'भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा महासभा' के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष विकेश मेहता ने भीलवाड़ा जिला कार्यकारिणी की आधिकारिक घोषणा की है, जिससे स्थानीय जैन समाज में उत्साह व्याप्त है। युवा समाजसेवी और अनन्य मुनि भक्त अतुल पाटनी को जिला अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है, जबकि विभोर गोधा को जिला महामंत्री का दायित्व सौंपा गया है।

सांगठनिक विस्तार और भावी कार्ययोजना

राष्ट्रीय नेता विकेश मेहता ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शीघ्र ही संपूर्ण जिला कार्यकारिणी के विस्तार के निर्देश दिए हैं। संगठन की भावी योजनाओं के अंतर्गत महिला शाखा का गठन, 'जैन जनगणना जागृति अभियान' के पोस्टर और बैनर मंदिरों में लगवाना तथा दिगंबर मुनिराजों के विहार में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना प्रमुख लक्ष्य रखे गए हैं। श्री मेहता ने बताया कि अप्रैल माह के अंत में नवनिर्मित कार्यकारिणी का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा।

शुभकामनाओं का ताँता

भगवान महावीर के जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर हुई इन नियुक्तियों का संपूर्ण समाज ने स्वागत किया है। महासभा के केंद्रीय कार्यालय से सुमित जैन, सुशील शाह, विवेक बाकलीवाल, आलोक जैन और अधिवक्ता विकास जैन सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भीलवाड़ा के इन नवनियुक्त युवा नेतृत्व को अपनी शुभकामनाएं और बधाई प्रेषित की हैं। समाज के वरिष्ठ जनों ने विश्वास व्यक्त किया है कि नवीन कार्यकारिणी के नेतृत्व में भीलवाड़ा का युवा संगठन सामाजिक और धार्मिक क्षेत्रों में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

नेमिसागर कॉलोनी में गूँजा 'जय महावीर' का उद्घोष

108 रजत कलशों से हुआ प्रभु का अभिषेक, प्रभात फेरी और वर्धमान स्तोत्र पाठ के साथ मनाया गया 2625वाँ जन्म कल्याणक महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेमिसागर कॉलोनी में जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर और वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय वातावरण से सराबोर नजर आया।

प्रभात फेरी और धर्मसभा

महोत्सव के उपलक्ष्य में कॉलोनी के प्रमुख मार्गों से एक भव्य प्रभात फेरी निकाली गई, जो वैशाली वृत्त पहुँचकर धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। प्रभात फेरी में पुरुष वर्ग श्वेत परिधानों में और महिलाएं एक समान केसरिया साड़ियों में भजन गायन करते हुए सम्मिलित हुईं। संस्था के अध्यक्ष जे. के. जैन (कालाडेरा) ने बताया कि धर्मसभा में डी. सी. जैन, संजीव कासलीवाल और मंजू पांड्या सहित अन्य वक्ताओं ने भगवान महावीर के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। समारोह के मुख्य अतिथि श्री विजय सिंह रहे।

अभिषेक और शांतिधारा

प्रभात फेरी के पश्चात जिनालय में भगवान महावीर का 108 रजत (चांदी) कलशों से मंगल अभिषेक किया गया। इसके साथ ही 48 ऋद्धि मंत्रों के उच्चारण के साथ शांतिधारा संपन्न की गई, जिसमें विश्व शांति की मंगल कामना की गई। मिष्ठान वितरण का पुण्य लाभ श्रेष्ठी अनिल जैन-बबिता जैन (धुआँवाला परिवार) ने प्राप्त किया।

दीप अर्चना और स्तोत्र पाठ

सायंकाल भगवान की सामूहिक आरती की गई, जिसके पुण्यार्जक श्रेष्ठी श्री लेखराज जैन रहे। दीप प्रज्वलन का सौभाग्य पदम पहाड़िया परिवार को मिला। तत्पश्चात 64 दीपकों के प्रज्वलन के साथ वर्धमान स्तोत्र का भक्तिपूर्ण पाठ किया गया, जिसके पुण्यार्जक श्रेष्ठी संजीव-पिंकी कासलीवाल एवं परिवार रहे। संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान भक्तों का उत्साह देखते ही बनता था।

फागी और परिक्षेत्र में गूंजा 'जय महावीर' का उद्घोष

1008 स्वर्ण कलशों से हुआ प्रभु का अभिषेक

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे सहित निकटवर्ती परिक्षेत्र चकवाड़ा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी, लसाड़िया, मेंदवास, नीमेड़ा तथा लदाना में जैन धर्मावलंबियों ने शासन नायक भगवान महावीर स्वामी का 2625वाँ जन्म कल्याणक महोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया। राजस्थान जैन सभा (फागी) के महामंत्री राजाबाबू गोधा ने बताया कि महोत्सव की पूर्व संध्या पर वर्धमान स्तोत्र, दीप अर्चना एवं कीर्तन का आयोजन किया गया। मुख्य समारोह के दिन प्रातः काल जैन पाठशाला के बच्चों द्वारा जयकारों के साथ भव्य प्रभात फेरी निकाली गई। मंदिर समिति के अध्यक्ष महावीर झंडा एवं कमलेश चौधरी ने बताया कि प्रातः 9:00 बजे 'बीचला मंदिर' से सकल जैन समाज के सान्निध्य में श्रीजी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। मार्ग में श्रद्धालुओं ने अपने आवासों के बाहर आकर्षक रंगोलियां सजाईं और भगवान की मंगल आरती उतारी। शोभायात्रा के समापन पर महावीर प्रसाद, अशोक कुमार एवं पंकज कुमार मोदी परिवार ने 1008 स्वर्ण कलशों से प्रभु का अभिषेक एवं प्रथम शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त किया। विधानाचार्य मनीष गोधा के निर्देशन में 'महावीर विधान' का आयोजन हुआ। संध्या काल में नन्हे बालकों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं और संपूर्ण समाज के लिए वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया।

कुण्डलपुर महोत्सव: भगवान महावीर की जन्मभूमि पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

श्वेतवर्णी प्रतिमा का हुआ भव्य पंचामृत अभिषेक; बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री रहे मुख्य अतिथि

कुण्डलपुर (नालंदा). शाबाश इंडिया। भगवान महावीर स्वामी की पावन जन्मभूमि कुण्डलपुर स्थित 'नंद्यावर्त महल' तीर्थ पर 2625वाँ जन्म कल्याणक महोत्सव अपार हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। दिगंबर जैन समिति के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में देश के विभिन्न अंचलों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

ध्वजारोहण और भव्य रथयात्रा

उत्सव का शुभारंभ प्रातः काल ध्वजारोहण के साथ हुआ, जिसका सौभाग्य राजकुमार जैन (चंडीगढ़) को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात भगवान की प्रतिमा को सुसज्जित रथ पर विराजमान कर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जैन ध्वज थामे श्रद्धालु 'जियो और जीने दो' के अमर संदेशों को गुंजायमान करते हुए चल रहे थे। यह यात्रा नालंदा संग्रहालय (म्यूजियम) तक पहुँचकर पुनः गाजे-बाजे के साथ नंद्यावर्त महल परिसर में संपन्न हुई।

इंद्र-पद और सारथी का सौभाग्य

रथयात्रा में सौधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य ऋषभ जैन (दिल्ली) को मिला। धनकुबेर के रूप में विद्युत-मोहित जैन (दिल्ली) और सारथी के रूप में रजनीश जैन (शिमला) ने सेवाएं दीं। चंवर ढुलाने और आरती का सौभाग्य रिया जैन, आदेश जैन एवं उनके परिवार को प्राप्त हुआ। रथयात्रा के उपरांत भगवान महावीर की श्वेतवर्णी प्रतिमा का प्रभावनापूर्वक पंचामृत मस्तकाभिषेक किया गया। प्रथम कलश का सौभाग्य नरेंद्र-बबीता-उषा पाटनी (कोलकाता) को मिला। इसी श्रृंखला में दिल्ली, नोएडा, चंडीगढ़, सासाराम, सतना, जयपुर और गाज़ियाबाद से आए श्रद्धालुओं ने नारियल, इक्षुरस (गन्ने का रस), विभिन्न फलों के रस, घृत (घी), दधि (दही), सर्वोषधि और केसर से भगवान का अभिषेक किया। अंत में विश्व शांति हेतु शांतिधारा करने का पुण्य लाभ अशोक-कविता जैन (कोटा) ने प्राप्त किया।

विशिष्ट अतिथि और सांस्कृतिक छटा

समारोह के मुख्य अतिथि बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री माननीय श्री श्रवण कुमार जी रहे। समिति के पदाधिकारियों ने उन्हें तिलक लगाकर, शॉल, मुकुट और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। महोत्सव के दौरान महिलाओं द्वारा भक्ति नृत्य की मोहक प्रस्तुतियां दी गईं और भगवान का पालना झुलाया गया। जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में प्रतीकात्मक रत्नवृष्टि भी की गई। मध्याह्न में कुण्डलपुर महोत्सव-2025 का औपचारिक उद्घाटन दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। समिति के मंत्री विजय कुमार जैन ने अतिथियों का स्वागत प्रशस्ति पत्र एवं शॉल प्रदान कर किया। सांस्कृतिक संध्या में भगवान महावीर के जीवन पर आधारित भजनों और नृत्य ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस गौरवमयी आयोजन में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा, कर्नाटक, झारखंड और पश्चिम बंगाल सहित अनेक प्रांतों के भक्तगण सम्मिलित हुए।

संगीत सीखना सबके लिए आवश्यक, व्यावसायिक बनना अनिवार्य नहीं: पद्मश्री रिकी केज

जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय में 'आचार्य तुलसी संगीत विभाग' का भव्य उद्घाटन; ग्रैमी पुरस्कार विजेता ने की सराहना

लाडनूं. शाबाश इंडिया

जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) में 'आचार्य तुलसी संगीत विभाग' का भव्य उद्घाटन अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संगीतकार एवं ग्रैमी पुरस्कार विजेता पद्मश्री रिकी केज द्वारा संपन्न हुआ। उन्होंने रविवार को फीता काटकर एवं शिलालेख का अनावरण कर इस नवीन विभाग को कला और संस्कृति के प्रति समर्पित किया।

संगीत से होता है व्यक्तित्व का समग्र विकास

इस अवसर पर संबोधित करते हुए रिकी केज ने कहा कि संगीत की शिक्षा प्रत्येक व्यक्ति के लिए अपरिहार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह आवश्यक नहीं कि संगीत सीखने वाला हर विद्यार्थी व्यावसायिक (प्रोफेशनल) संगीतकार ही बने। रिकी केज ने उदाहरण देते हुए कहा, ₹जिस प्रकार विज्ञान या गणित का प्रत्येक विद्यार्थी वैज्ञानिक नहीं बनता, उसी प्रकार संगीत का अध्ययन व्यक्ति के आत्मिक और मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है।₹ उन्होंने बल दिया कि संगीत जीवन को संतुलित और संवेदनशील बनाता है, इसलिए हर व्यक्ति को गायन का ज्ञान होना चाहिए।

परिसर की हरियाली और लोक संगीत की प्रशंसा

उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर की हरितिमा और प्राकृतिक सौंदर्य की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए संगीत विभाग की स्थापना को एक ऐतिहासिक पहल बताया। कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने विभाग के अंतर्गत प्रारंभ किए जा रहे पाठ्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए संगीत को भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग बताया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और आधुनिक यंत्र

समारोह में विद्यार्थियों ने पारंपरिक राजस्थानी लोकगीतों– 'केसरिया बालम' और 'हरियाला बन्ना' की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें सुनकर रिकी केज मंत्रमुग्ध हो गए। इस नवीन विभाग में हारमोनियम, तबला, बांसुरी, सितार और तंत्री वाद्य (गिटार) सहित विभिन्न भारतीय वाद्ययंत्रों की व्यवस्था की गई है। यहाँ शास्त्रीय (क्लासिक) संगीत के विशेष पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय एवं जैन विश्वभारती के पदाधिकारी, प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे। समारोह का कुशल संचालन डॉ. लिपि जैन द्वारा किया गया।

मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज की प्रेरणा से भावना योग केंद्र का उद्घाटन

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर जयंती एवं वर्धमान हॉस्पिटल की 11वीं वर्षगांठ के अवसर पर मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज की प्रेरणा से वर्धमान हॉस्पिटल में भावना योग केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुरेंद्र कुमार जैन पांड्या (राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन) उपस्थित रहे। उनके साथ मृदुला जैन पांड्या, प्रकाशचंद जैन पाटनी (राष्ट्रीय कन्वेयर, भावना योग), शकुंतला बिंदायका (प्रदेश अध्यक्ष, दिगंबर जैन महिला महासमिति), मानसिंह गुर्जर (पूर्व विधायक) एवं शिवरतन अग्रवाल सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। सुरेंद्र पांड्या ने कहा कि भावना योग भारतीय संस्कृति के भाव और आधुनिक मनोविज्ञान के ''लॉ ऑफ अट्रैक्शन'' का सुंदर समन्वय है। डॉ. मनोज जैन ने बताया कि यह साधना मन को शुद्ध कर जीवन को अनुशासित एवं स्वस्थ बनाती है। प्रकाशचंद जैन पाटनी ने कहा कि योग के माध्यम से बिना दवा के भी स्वास्थ्य लाभ संभव है। यह केंद्र राजस्थान में अपनी तरह का अनूठा प्रयास है, जिसका लाभ मरीजों और उनके परिजनों को मिलेगा। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई तथा अंत में शांति पाठ किया गया। अतिथियों ने फीता काटकर केंद्र का उद्घाटन किया और भावना योग का अभ्यास भी किया।

खेरवाड़ा में गूंजा 'जय महावीर' का उद्घोष

प्रभात फेरी और भव्य शोभायात्रा के साथ मना जन्मोत्सव

पंचामृत अभिषेक और पालना झुलाने के रस्म के साथ संपन्न हुआ 2625वाँ जन्म कल्याणक महोत्सव

खेरवाड़ा. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव खेरवाड़ा कस्बे में अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। तहसील मार्ग स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एवं सदर बाजार स्थित नेमिनाथ जैन मंदिर से प्रातः 6:00 बजे भव्य प्रभात फेरियां निकाली गईं। वाद्य यंत्रों (बैंड) की मधुर धुन और जयकारों के साथ सैकड़ों जैन धर्मावलंबियों ने नगर भ्रमण किया। प्रातः काल कस्बे के विभिन्न जिनालयों में भगवान का पंचामृत अभिषेक एवं विशेष शांतिधारा संपन्न की गई। सायं काल अध्यक्ष रमेश चंद्र कोठारी एवं वीरेंद्र वखारिया के नेतृत्व में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें भगवान महावीर के जीवन पर आधारित आकर्षक झाकियां सजाई गईं। युवा परिषद के अध्यक्ष विक्रांत कोठारी एवं महामंत्री वैभव कोठारी के संयोजन में यह यात्रा पुराने बस अड्डे और आजाद चौक होते हुए गुजरी। सुरक्षा व्यवस्था हेतु थानाधिकारी करनाराम जाट के निर्देशन में पुलिस बल तैनात रहा। शोभायात्रा के समापन पर वात्सल्य भोज (सामूहिक प्रीतिभोज) का आयोजन हुआ। देर शाम सामूहिक महाआरती के पश्चात महिला जैन जागृति पुलक मंच के तत्वावधान में भगवान को पालना झुलाने की मंगल क्रिया संपन्न की गई। इस अवसर पर समस्त दिगंबर जैन समाज के पदाधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

हे महावीर प्रभु!

आपके नाम की आड़ में यह कैसा अंधकार, पाखंड और विकृतियों का जाल?

हे भगवान महावीर!

आपके चरणों में यह केवल करुण पुकार नहीं, बल्कि एक गहरी व्यथा और आक्रोश की अभिव्यक्ति है। आपने अहिंसा, सत्य, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह और त्याग का जो दिव्य मार्ग दिखाया, आज उसी मार्ग के कुछ तथाकथित रक्षक उसे कलंकित करते दिखाई दे रहे हैं। यह अत्यंत पीड़ादायक है कि आपके नाम और भेष में रहकर कुछ लोग ऐसे आचरण में लिप्त पाए जाते हैं, जो धर्म के मूल सिद्धांतों के विपरीत है। ब्रह्मचर्य, जो साधना का सर्वोच्च आदर्श है, उसी के उल्लंघन की घटनाएं समाज के विश्वास को आहत करती हैं। इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि कई बार सत्य सामने आने पर उसे दबाने का प्रयास होता है—पीड़ितों की आवाज को अनसुना किया जाता है और दोषियों को संरक्षण मिल जाता है। हे प्रभु! आपने इंद्रियों पर विजय को ही सच्ची साधना बताया था, किंतु जब बाहरी आडंबर के पीछे आंतरिक पतन छिपा हो, तो यह न केवल अधर्म है, बल्कि समाज को भ्रमित करने वाला घातक पाखंड भी है। अंधभक्ति भी इस स्थिति को और गंभीर बनाती है। किसी व्यक्ति विशेष के प्रति अंध समर्थन, सत्य की उपेक्षा और हर आरोप को बिना जांच खारिज कर देना—यह सच्ची भक्ति नहीं, बल्कि धर्म के मूल्यों से विचलन है। सच्ची श्रद्धा सत्य और धर्म के साथ खड़े होने में है। आज आवश्यकता है कि धर्म की मर्यादाओं को पुनः स्थापित किया जाए। जो व्यक्ति इन आदर्शों का पालन नहीं कर सकता, उसे आदर्श स्थान पर स्थापित करना स्वयं धर्म के प्रति अन्याय है। इसके साथ ही, धनलोलुपता, आडंबर, गुटबाजी और दिखावे की प्रवृत्तियां भी समाज को कमजोर कर रही हैं। सेवा का स्थान प्रदर्शन ने ले लिया है और साधना कहीं-कहीं प्रभाव का माध्यम बनती दिख रही है। हे महावीर प्रभु! यह समय जागरूकता का है। यदि समाज अब भी नहीं जागा, तो आने वाली पीढ़ियां भ्रमित होंगी। हर जागरूक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह सत्य को स्वीकारे, गलत का विरोध करे और सच्चे धर्म की रक्षा में अपना योगदान दे। आपका धर्म शाश्वत और निर्मल है—आवश्यकता केवल उसे सही रूप में समझने और अपनाने की है।

नितिन जैन
संयोजक – जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा)
जिलाध्यक्ष – अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल
मो.: 9215635871

जयपुर के परकोटे में गूँजा 'जय महावीर' का उद्घोष

24 तीर्थंकरों के रथों के साथ निकली भव्य शोभायात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में सोमवार को राजस्थान जैन सभा द्वारा ऐतिहासिक शोभायात्रा निकाली गई। आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी एवं आचार्य श्री 108 प्रज्ञा सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में जयपुर के परकोटे में 24 तीर्थंकरों के रथों के साथ यह भव्य जुलूस संपन्न हुआ। इस अवसर पर 'एलिट सोशल ग्रुप' द्वारा पारस जैन (आगरा वाले) के सौजन्य से एक रथ का प्रवर्तन किया गया। रथ में सौधर्म इंद्र के रूप में रोहित जैन एवं कुबेर इंद्र के रूप में पारस जैन विराजमान थे। नन्हे बालक समर्थ जैन एवं विवान गोधा ने भगवान पर चंवर ढुलकार पुण्य लाभ अर्जित किया। कुबेर इंद्र द्वारा संपूर्ण मार्ग में प्रभावना (उपहार) स्वरूप बच्चों को लेखन सामग्री (स्टेशनरी) वितरित की गई। ग्रुप के संचार प्रतिनिधि (प्रचार संयोजक) पवन तेरापंथी ने बताया कि आशीष जैन छाबड़ा एवं सुधीर गोधा के कुशल संचालन में भक्तों का उत्साह चरम पर रहा। रथ के साथ राधा जैन, नविता जैन, अंजना जैन और कौशल पाटनी सहित अनेक सदस्य वाद्य यंत्रों की धुन पर भक्ति नृत्य करते हुए चल रहे थे। मार्ग में श्रद्धालुओं का भारी जनसमूह उमड़ा और संपूर्ण वातावरण महावीर के जयकारों से गुंजायमान रहा।

गंगापुर सिटी में गूँजा 'जियो और जीने दो' का संदेश

स्वर्णमयी रथ पर निकले जिनेंद्र भगवान

सकल जैन समाज द्वारा निकाली गई भव्य शोभायात्रा; सर्व समाज ने पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में सोमवार को सकल जैन समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई। आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एवं श्वेतांबर जैन मंदिर से प्रारंभ हुई इस यात्रा में संपूर्ण नगर भक्ति के रंग में रंगा नजर आया। शोभायात्रा में जैन समाज के पुरुष श्वेत वस्त्र एवं पचरंगी दुपट्टा धारण किए हुए थे, वहीं महिलाएं केसरिया परिधानों में भजनों की धुन पर डांडिया नृत्य करते हुए चल रही थीं। शोभायात्रा में भगवान महावीर के जीवन दर्शन और 'अहिंसा परमो धर्म' का संदेश देती मनमोहक झांकियां प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहीं।

स्वर्णमयी रथ और इंद्र पद का सौभाग्य

स्वर्णमयी रथ पर जिनेंद्र भगवान को विराजमान किया गया, जिसमें सारथी के रूप में नरेंद्र गंगवाल एवं खवासी के रूप में डॉ. मनोज जैन को सेवा का अवसर मिला। श्री बाबूलाल जैन, चांदमल जैन एवं महेंद्र जैन 'इंद्र' के रूप में भगवान पर चंवर ढुलकार पुण्य लाभ अर्जित कर रहे थे। शोभायात्रा आदिनाथ मंदिर से प्रारंभ होकर बालाजी चौक, चौपड़, खारी बाजार, देवी स्टोर चौराहा और पुरानी अनाज मंडी होते हुए पुनः मंदिर पहुँचकर संपन्न हुई।

सांप्रदायिक सौहार्द और भव्य स्वागत

नगर के विभिन्न व्यापार मंडलों और सामाजिक संगठनों द्वारा शोभायात्रा का आत्मीय स्वागत किया गया। देवी स्टोर चौराहे पर 'इंडियन क्लॉथ स्टोर' के भविष्य कुमार ने पदाधिकारियों का माला एवं साफा पहनाकर अभिनंदन किया। इसके अतिरिक्त खंडेलवाल समाज, अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन और अग्रवाल समाज द्वारा श्रीजी की आरती उतारकर विश्व शांति की कामना की गई।

धार्मिक अनुष्ठान और वात्सल्य भोज

शोभायात्रा के समापन पर आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भगवान का विधिवत पूजन एवं अभिषेक किया गया। श्रीजी की मंगल माला पहनने का सौभाग्य मनोज जैन (कंपाउंडर) परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष प्रवीण गंगवाल, श्वेतांबर समाज के अध्यक्ष रितेश पल्लीवाल, देवेंद्र जैन पांड्या और सुमेर जैन सोनी सहित सैंकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। महोत्सव के अंत में सकल दिगंबर जैन समाज के लिए वात्सल्य भोज (सामूहिक प्रीतिभोज) का आयोजन किया गया।

भगवान महावीर का जीवन दर्शन: अहिंसा और मानवीय सद्भाव का वैश्विक संदेश

अभिषेक जैन बिट्टू ने 'जियो और जीने दो' के सिद्धांतों को आत्मसात करने का किया आह्वान

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजधानी जयपुर सहित संपूर्ण राष्ट्र में जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का 2625वाँ जन्म कल्याणक महोत्सव अपार श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर समाज के सभी वर्गों को भगवान महावीर के अहिंसा, सत्य, करुणा और अपरिग्रह जैसे शाश्वत सिद्धांतों को जीवन में अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू ने अपने संबोधन में कहा कि महावीर जयंती केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, अपितु संपूर्ण मानवता को सहिष्णुता और भ्रातृत्व के मार्ग पर चलने का प्रेरणादायी संदेश है। उन्होंने वर्तमान सामाजिक चुनौतियों का उल्लेख करते हुए बताया कि भगवान महावीर के विचार एक संतुलित और शांतिपूर्ण समाज के निर्माण हेतु आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने हजारों वर्ष पूर्व थे। अभिषेक जैन बिट्टू ने सभी नागरिकों को महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए आह्वान किया कि हमें महापुरुषों के विचारों को मात्र शब्दों तक सीमित न रखकर अपने आचरण में उतारना चाहिए। उन्होंने सामाजिक एकता और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने पर बल दिया, जिससे प्रेम और सद्भाव की नींव मजबूत हो सके।

अहिंसा के अग्रदूत भगवान महावीर स्वामी की जयंती भव्यता के साथ मनाई गई

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया। सकल दिगंबर जैन समाज के सानिध्य में भगवान महावीर स्वामी की जयंती इस वर्ष हर्षोल्लास एवं भव्यता के साथ मनाई गई। प्रातः प्रभातफेरी के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई, जिसके पश्चात श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से श्रीजी की भव्य रथयात्रा निकाली गई। इस अवसर पर आचार्य श्री 108 समय सागर जी महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य पूज्य मुनि श्री 108 निष्पक्ष सागर महाराज एवं निष्प्रह सागर महाराज का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ, जिससे शोभायात्रा और भी दिव्य बन गई। युवा वर्ग द्वारा दिव्य घोष वादन किया गया तथा श्रद्धालुओं ने ''जियो और जीने दो'' का संदेश देते हुए स्वयं रथ खींचा। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर आरती एवं पाद प्रक्षालन किए गए। रथयात्रा श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर पहुंची। इस दौरान पूरा नगर महावीर स्वामी की जय एवं अहिंसा परमो धर्म के उद्घोष से गुंजायमान रहा। मंदिर पहुंचने पर अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न हुई। कार्यक्रम में विभिन्न श्रद्धालु परिवारों को मंगल कलश, सारथी एवं अन्य धार्मिक क्रियाओं का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मंच संचालन धर्मेंद्र लुहाड़िया ने किया तथा समस्त धार्मिक विधियां सिद्धार्थ जैन शास्त्री द्वारा संपन्न कराई गईं। मुनि श्री निष्प्रह सागर महाराज ने अपने प्रवचन में अनेकांतवाद एवं आत्मचिंतन का महत्व बताया, वहीं निष्पक्ष सागर महाराज ने भगवान महावीर के जीवन आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए एकता एवं संयम का संदेश दिया।

छत्रपति नगर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया भगवान महावीर का जन्म कल्याणक

केसरिया साड़ियों और श्वेत परिधानों में थिरके श्रद्धालु; स्वर्ण एवं रजत कलशों से हुआ अभिषेक

इंदौर (राजेश जैन 'दद्दू')। वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव छत्रपति नगर दिगंबर जैन समाज द्वारा अपार श्रद्धा, उमंग और उत्साह के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर संपूर्ण क्षेत्र 'जय महावीर' के उद्घोष से गुंजायमान रहा। तीर्थ स्वरूप दिगंबर जैन आदिनाथ जिनालय में प्रातः काल भगवान महावीर का विधि-विधान से पूजन, अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न की गई। इसके पश्चात भगवान की प्रतिमा को सुसज्जित विमान (पालकी) में विराजमान कर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। वाद्य यंत्रों (बैंड) की मधुर धुन के साथ शोभायात्रा छत्रपति नगर, गौरव नगर, महावीर बाग और अग्रसेन नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। शोभायात्रा में महिलाएं मंगल कलश लिए केसरिया साड़ियों में और पुरुष श्वेत परिधानों में जैन ध्वज लहराते हुए सम्मिलित हुए। श्रीजी के विमान को अपने कंधों पर वहन करने का सौभाग्य पवन जैन, नेमीचंद जैन, निलेश टैलेंट, विक्की, अरविंद सोधिया और अखिलेश जैन को प्राप्त हुआ। मार्ग में श्रद्धालुओं ने जगह-जगह रंगोली सजाकर और मंगल आरती उतारकर श्रीजी की अगवानी की। विमान यात्रा के पुनः जिनालय पहुँचने पर भगवान का स्वर्ण एवं रजत कलशों से महामस्तकाभिषेक किया गया। अभिषेक से पूर्व जैन मनीषी विद्वान पंडित रमेशचंद्र बांझल ने भगवान महावीर के व्यक्तित्व और जन्म कल्याणक के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन 'दद्दू' ने बताया कि जिनालय में नवीन प्रतिमा विराजमान करने का सौभाग्य अर्जित करने वाले श्री हीरालाल शाह परिवार एवं श्री रमेशचंद्र-राहुल विकास जैन (बीना वाला) परिवार का जिनालय ट्रस्ट द्वारा गुणानुवाद (सम्मान) किया गया।